एच ए यू ने तैयार किया बैटरी से चलने वाला ई-टैक्टर

डीज़ल के बढ़ते हुए दामों को देखते हुए, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एच ए यू), हिसार ने बैटरी द्वारा चलने वाला ई-ट्रैक्टर तैयार किया है। इस उपलब्धि के साथ एच ए यू, ई-ट्रैक्टर पर शोध करने वाला देश का पहला कृषि विश्वविद्यालय बन गया है।

इस ट्रैक्टर का नाम 'विकास ग्रीनट्रैक' रखा गया है। इसे पंजाब के बरनाला ज़िले एक कंपनी के सहयोग से इसे तैयार किया गया है। एच ए यू के अधिकारियों ने बताया कि कंपनी करीब 6 महीने तक इस ट्रैक्टर को किसानों के लिए बाज़ार में लेकर आने का प्रयास कर रही।

विश्वविद्यालय के कृषि इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी कॉलेज ने इस ई-ट्रैक्टर को तैयार किया है। इस ई-ट्रैक्टर को एम टेक छात्र वैंकटेश शिंदे ने कॉलेज के वैज्ञानिक मुकेश जैन के मार्गदर्शन में विकसित किया है।

ये टैक्टर 16.2 किलोवाट की लिथियम आयन बैटरी से चलता है। ये बैटरी 20 साल तक चल सकती है।

एच ए यू के कुलपति प्रोफेसर बी आर कंबोज ने कहा कि ये ई-ट्रैक्टर 23.17 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम रफ्तार से चल सकता है। ये ई-ट्रैक्टर 25 हॉर्स पावर के डीज़ल ट्रैक्टर के बराबर सभी काम कर सकता है।

ये डीज़ल ट्रैक्टर के मुकाबले 32 प्रतिशत तक सस्ता है। इसमें बी आई एस कोड की अधिकतम अनुमेय सीमा से 52 प्रतिशत कंपन और 20.52 प्रतिशत शोर कम है। ट्रैक्टर में ऑपरेटर के पास इंजन ना होने के कारण तपिश भी पैदा नहीं होती जो चालक के लिए आरामदायक साबित होगा।

1.5 टन वज़न की ट्रॉली के साथ ये ट्रैक्टर 80 किलोमीटर तक का सफ़र कर सकता है। जैन, जो कि एच ए यू के उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान के

निदेशक भी हैं, ने बताया कि ई-ट्रैक्टर की बैटरी को 9 घंटे में पूरा चार्ज किया जा सकता है। इसमें फ़ास्ट चार्जिंग का भी विकल्प उपलब्ध है जिसकी मदद से ट्रैक्टर की बैटरी सिर्फ़ 4 घंटे में चार्ज की जा सकती है।

इस ट्रैक्टर की कीमत लगभग 6.50 लाख रुपये है। विश्वविद्यालय में इसको लेकर शोध चल रहा है कि इसकी कीमत को कैसे घटाया जाए क्योंकि सबसे बड़ी लागत इसमें बैटरी की है।

ये ट्रैक्टर उन सब यंत्रों के साथ काम कर सकता है जो पहले से छोटे डीज़ल ट्रैक्टर के लिए खरीदे गए हैं। डीज़ल के बढ़ते हुए दामों को देखते हुए ई-ट्रैक्टर किसानों के लिए काफ़ी किफायती साबित हो सकता है।